Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

Print Coverage

Publication: Eesanje Edition: Bengaluru Date: June 24th 2021

Headline: Empowering MSMEs

ಉದ್ದಿಮೆ ಸಬಲೀಕರಣ

ಬೆಂಗಳೂರು,ಜೂ24: ಅಂತಾರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಎಂಎಸ್‌ಎಂಇ ದಿನದ ಅಂಗವಾಗಿ ಜಾಗತಿಕ ಮಟ್ಟದ ಲಾಭೋದ್ದೇಶವಿಲ್ಲದ ಸ್ವಯಂ ಸೇವಾ ಸಂಸ್ಥೆಯಾಗಿರುವ ವಾಧ್ವಾನಿ ಫೌಂಡೇಷನ್ ಕೋವಿಡ್ ಸಾಂಕ್ರಾಮಿಕ ರೋಗದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಸಂಕಷ್ಟಕ್ಕೆ ಸಿಲುಕಿರುವ ಎಂಎಸ್‌ಎಂಇ ವಲಯದ ಉದ್ದಿಮೆಗಳು ತಮ್ಮ ಬೆಳವಣಿಗೆಯನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ ಸಾಮರ್ಥ್ಯಗಳೊಂದಿಗೆ ಸಬಲೀಕರಣಗೊಳಿಸಲು ಮುಂದಾಗಿದೆ. ಅಂತಾರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಎಂಎಸ್‌ಎಂಇ ದಿನದ ಹಿನ್ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ಈ ವಲಯವು ಎದುರಿಸುತ್ತಿರುವ ಸಂಕಷ್ಟಗಳನ್ನು ಆತ್ಮಾವಲೋಕನ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವ ಸಮಯ ಇದಾಗಿದೆ. ಈ ಎಂಎಸ್‌ಎಂಇಗಳು ದೇಶದ ಆರ್ಥಿಕ ಮತ್ತು ಸಾಮಾಜಿಕ ಬೆಳವಣಿಗೆಯಲ್ಲಿ ಪ್ರಮುಖ ಪಾತ್ರವನ್ನು ವಹಿಸುತ್ತವೆ. ಈ ಉತ್ಸಾಹಭರಿತ ವಲಯಕ್ಕೆ ಹೆಚ್ಚಿನ ತೀವ್ರತೆ ಮತ್ತು ಕಾರ್ಯತಂತ್ರದ ರಚನಾತ್ಮಕ ಬೆಂಬಲದೊಂದಿಗೆ ಮಾತ್ರ ಸಂಪೂರ್ಣ ಚೇತರಿಸಿಕೊಳ್ಳಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುತ್ತದೆ. ಆದ್ದರಿಂದ, ನಗದು ಹರಿವು, ವೇತನ, ಸಾಲಗಾರರ ಮೇಲೆ ಒತ್ತಡ ಹೇರುವುದು ಮತ್ತು ಅದರ ನಿಜವಾದ ಸಾಮರ್ಥ್ಯವನ್ನು ಅರಿತುಕೊಳ್ಳುವಲ್ಲಿ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಎಲ್ಲಿದೆ ಎಂದು ಕಂಡುಹಿಡಿಯುವ ಬಹುಮುಖ್ಯ ಸವಾಲುಗಳನ್ನು ಎದುರಿಸುವ ಮೂಲಕ ಕ್ಷೇತ್ರವನ್ನು ಸ್ಥಿರಗೊಳಿಸುವುದು ಅತ್ಯಗತ್ಯವಾಗಿದೆ.

Publication: Veer Arjun Edition: Delhi Date: June 25th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

वाधवानी फाउंडेशन ने अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 पर एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की

नई दिल्ली, (वीअ)। अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के मौके पर मुनाफा नहीं कमाने वाले वैश्विक वाधवानी फाउंडेशन ने एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की है और कहा है कि जिनकी क्षमता है उन्हें अपने विकास को गति देनी चाहिए। इसके अलावा, कोविड महामारी के कारण संघर्ष कर रहे एमएसएमई को भी मजबूत किया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 एक ऐसा समय है जब हमें आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और एमएसएमई क्षेत्र को जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है उसका ख्याल रखना चाहिए। हालांकि, एमएसएमई देश के आर्थिक और सामाजिक ताना-बाना का अहम हिस्सा है और पूरी रीकवरी उच्च सघनता और रणनीतिक ढंग से तैयार सहायता से ही संभव होगी और बेहद उत्साह वाले क्षेत्र को इसकी जरूरत है। इसलिए, यह आवश्यक है कि इस क्षेत्र को स्थिर किया जाए और इसके लिए तात्कालिक चुनौतियों का मुकाबला किया जाए।

Publication: Hosa Digantha Edition: Bengaluru Date: June 25th 2021

Headline: Cooperation to MSMEs by Wadhwani

ಹೊಸ ದಿಗಂತ

10

25 Jun 2021

ಎಂಎಸ್‌ಎಂಇಗೆ ವಾಧ್ವಾನಿ ಸಹಕಾರ

ಬೆಂಗಳೂರು: ಅಂತಾರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಎಂಎಸ್ ಎಂಇ ದಿನದ ಅಂಗವಾಗಿ ಜಾಗತಿಕ ಮಟ್ಟದ ಲಾಭೋದ್ದೇಶವಿಲ್ಲದ ಸ್ವಯಂಸೇವಾ ಸಂಸ್ಥೆಯಾಗಿರುವ ವಾಧ್ವಾನಿ ಫೌಂಡೇಷನ್ ಕೋವಿಡ್ ಸಾಂಕ್ರಾಮಿಕ ರೋಗದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಸಂಕಷ್ಟಕ್ಕೆ ಸಿಲುಕಿರುವ ಎಂಎಸ್ ಎಂಇ ವಲಯದ ಉದ್ದಿಮೆಗಳು ಬೆಳವಣಿಗೆ ಹೆಚ್ಚಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ ಸಾಮರ್ಥ್ಯಗಳೊಂದಿಗೆ ಸಬಲೀಕರಣಗೊಳಿಸಲು ಮುಂದಾಗಿದೆ.

ವಾಧ್ವಾನಿ ಅಡ್ವಾಂಟೇಜ್ ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಉಪಾಧ್ಯಕ್ಷ ಸಮೀರ್ ಸಾತೆ, ಸಾಂಕ್ರಾಮಿಕವು ಜಗತ್ತನ್ನು ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಹೊಂದುತ್ತಿರುವ ಆರ್ಥಿಕತೆಗಳನ್ನು ತೊಂದರೆಗೊಳಿಸುತ್ತಿರುವುದರಿಂದ ಎಂಎಸ್‌ಎಂಇಗಳಿಗೆ ನವಚೇತನ ಪಡೆಯುವುದು ಅಗತ್ಯವಾಗಿದೆ. ಅದು ವಿಫಲವಾದರೆ ವ್ಯಾಪಾರ, ವಾಣಿಜ್ಯ, ಅರ್ಥಶಾಸ್ತ್ರ ಮತ್ತು ಜೀವನೋಪಾಯಗಳ ಮಟ್ಟ ಕುಸಿಯುತ್ತದೆ ಎಂದರು.

Publication: Punjab Kesari Edition: Punjab & Multiple editions Date: June 25th 2021

Headline: Have to empower MSMEs: Samir Sathe

एमएसएमई को मजबूत किया जाना चाहिए : समीर साठे

गुरुग्राम, सतबीर भारद्वाज, (पंजाब केसरी): अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के मौके पर मुनाफा नहीं कमाने वाले वैश्विक वाधवानी फाउंडेशन ने एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की है और कहा है कि जिनकी क्षमता है उन्हें अपने विकास को गति देनी चाहिए। इसके अलावा, कोविड महामारी के कारण संघर्ष कर रहे एमएसएमई को भी मजबूत किया जाना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 एक ऐसा समय है जब हमें आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और एमएसएमई क्षेत्र को जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है उसका ख्याल रखना चाहिए। हालांकि, एमएसएमई देश के आर्थिक और सामाजिक ताना-बाना का अहम हिस्सा है और पूरी रिकवरी उच्च सघनता और रणनीतिक ढंग से तैयार सहायता से ही संभव होगी और बेहद उत्साह वाले क्षेत्र को इसकी जरूरत है। इसलिए, यह आवश्यक है कि इस क्षेत्र को स्थिर किया जाए और इसके लिए तात्कालिक चुनौतियों का मुकाबला किया जाए। इनमें नकद प्रवाह, वेतन, दबाव डाल रहे कर्जदाताओं का ख्याल रखने के साथ शायद ज्यादा महत्वपूर्ण चुनौती यह पता लगाने की है कि विकास कहां है और यह इसकी सच्ची संभावना को हासिल करने के लिए आवश्यक है। इस मुश्किल और चुनौतीपूर्ण समय में तथा अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 पर वाधवानी एडवांटेज के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट समीर साठे कहते हैं, "महामारी ने जब सारी दुनिया को परेशान कर रखा है खासकर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को तो इत तथ्य को नए सिरे से स्वीकार किया जा रहा है कि एमएसएमई को सहायता की जरूरत है। उनपर ध्यान दिया जाना चाहिए और अगर ऐसा नहीं किया गया तो कारोबार, वाणिज्य, अर्थव्यवस्था और आजीविका की विश्व व्यवस्था भरभरा कर गिर जाएगा और समय नहीं लगेगा, खत्म हो जाएगी।" समीर साठे आगे कहते हैं, "एमएसएमई पंजीकरण में हाल में आई तेजी और उनके कारोबारों में डिजिटल नवीनता का निगमन एमएसएमई के लचीलेपन का एक उत्साहवर्धक संकेत है और यह महामारी के बावजूद है।

Publication: Mayur Samvad Edition: Delhi Date: June 25th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

वाधवानी फाउंडेशन ने अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 पर एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की

संवाददाता (दिल्ली) अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के मौके पर मुनाफा नहीं कमाने वाले वैश्विक वाधवानी फाउंडेशन ने एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की है और कहा है कि जिनकी क्षमता है उन्हें अपने विकास को गति देनी चाहिए। इसके अलावा, कोविड महामारी के कारण संघर्ष कर रहे एमएसएमई को भी मजबूत किया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 एक ऐसा समय है जब हमें आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और एमएसएमई क्षेत्र को जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है उसका ख्याल रखना चाहिए। हालांकि, एमएसएमई देश के आर्थिक और सामाजिक ताना-बाना का अहम हिस्सा है और पूरी रीकवरी उच्च सघनता और रणनीतिक ढंग से तैयार सहायता से ही संभव होगी और बेहद उत्साह वाले क्षेत्र को इसकी जरूरत है। इसलिए, यह आवश्यक है कि इस क्षेत्र को स्थिर किया जाए और इसके लिए तात्कालिक चुनौतियों का मुकाबला किया जाए।

इनमें नकद प्रवाह, वेतन, दबाव डाल रहे कर्जदाताओं का ख्याल रखने के साथ शायद ज्यादा महत्वपूर्ण चुनौती यह पता लगाने की है कि विकास कहां है और यह

इसकी सच्ची संभावना को हासिल करने के लिए आवश्यक है। इस मुश्किल और चुनौतीपूर्ण समय में तथा अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 पर वाधवानी एडवांटेज के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट समीर साठे कहते हैं, महामारी ने जब सारी दुनिया को परेशान कर रखा है खासकर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को तो इत तथ्य को नए सिरे से स्वीकार किया जा रहा है कि एमएसएमई को सहायता की जरूरत है। उनपर ध्यान दिया जाना चाहिए और अगर ऐसा नहीं किया गया तो कारोबार, वाणिज्य, अर्थव्यवस्था और आजीविका की विश्व व्यवस्था भरभरा कर गिर जाएगा और समय नहीं लगेगा, खत्म हो जाएगी। समीर साठे आगे कहते हैं, एमएसएमई पंजीकरण में हाल में आई तेजी और उनके कारोबारों में डिजिटल नवीनता का निगमन एमएसएमई के लचीलेपन का एक उत्साहवर्धक संकेत है और यह महामारी के बावजूद है। वाधवानी एडवांटेज उनके कारोबारी बुनियाद को गति देने और मजबूत करने के साथ उन्हें स्थिर करने पर फोकस करता है। इस तरह, दीर्घ अवधि में द्रुत विकास को संभव करता है। हम कारोबारों का सशक्तिकरण करते हैं और उन्हें अपनी विकास संभावना को अधिकत्तम करने की क्षमता से लैस करते हैं। इसके लिए ऑटोमेटेड बिजनेस डिसकवरी और ट्रांसफॉर्मेशन टूल्स मुहैया करवाते हैं। हम चाहते हैं कि उद्यमियों को प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे अपने सलाहकार बन सकें। एमएसएमई क्षेत्र को आम तौर पर देश के विकास के इंजन के रूप में जाना जाता है और देश की अर्थव्यवस्था में इसका योगदान 30त्न से ज्यादा है और यह जीडीपी के साथ-साथ रोजगार के मौके बनाने में भी है। कोविड महामारी का पूरे एमएसएमई क्षेत्र में गंभीर और अनुचित प्रभाव पड़ा था। दी गई स्थिति में यह आवश्यक है कि उन्हें फिर से दुरुस्त करने और सहायता करने के लिए आवश्यक उपाय किए जाएं।

Publication: Dainik Bhaskar Edition: Delhi Date: June 25th 2021

Headline: Call for empowering MSMEs

एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के मौके पर मुनाफा नहीं कमाने वाले वैश्विक वाधवानी फाउंडेशन ने एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की है और कहा है कि जिनकी क्षमता है उन्हें अपने विकास को गति देनी चाहिए। इसके अलावा, कोविड महामारी के कारण संघर्ष कर रहे एमएसएमई को भी मजबूत किया जाना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 एक ऐसा समय है जब हमें आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और एमएसएमई क्षेत्र को जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है उसका ख्याल रखना चाहिए। हालांकि, एमएसएमई देश के आर्थिक और सामाजिक ताना-बाना का अहम हिस्सा है और पूरी रीकवरी उच्च सघनता और रणनीतिक ढंग से तैयार सहायता से ही संभव होगी और बेहद उत्साह वाले क्षेत्र को इसकी जरूरत है। इसलिए, यह आवश्यक है कि इस क्षेत्र को स्थिर किया जाए और इसके लिए तात्कालिक चुनौतियों का मुकाबला किया जाए। इनमें नकद प्रवाह, वेतन, दबाव डाल रहे कर्जदाताओं का ख्याल रखने के साथ शायद ज्यादा महत्वपूर्ण चुनौती यह पता लगाने की है कि विकास कहां है और यह इसकी सच्ची संभावना को हासिल करने के लिए आवश्यक है।

Publication: Desh Bhakt Times Edition: Delhi & Gurugram Date: June 25th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

वाधवानी फाउंडेशन ने अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 पर एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की

अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के मौके पर मुनाफा नहीं कमाने वाले वैश्विक वाधवानी फाउंडेशन ने एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की है और कहा है कि जिनकी क्षमता है उन्हें अपने विकास को गति देनी चाहिए। इसके अलावा, कोविड महामारी के कारण संघर्ष कर रहे एमएसएमई को भी मजबूत किया जाना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 एक ऐसा समय है जब हमें आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और एमएसएमई क्षेत्र को जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है उसका ख्याल रखना चाहिए। हालांकि, एमएसएमई देश के आर्थिक और सामाजिक ताना-बाना का अहम हिस्सा है और पूरी रीकवरी उच्च सघनता और रणनीतिक ढंग से तैयार सहायता से ही संभव होगी और बेहद उत्साह वाले क्षेत्र को इसकी जरूरत है। इसलिए, यह आवश्यक है कि इस क्षेत्र को स्थिर किया जाए और इसके लिए तात्कालिक चुनौतियों का मुकाबला किया जाए। इनमें नकद प्रवाह, वेतन, दबाव डाल रहे कर्जदाताओं का ख्याल रखने के साथ शायद ज्यादा महत्वपूर्ण चुनौती यह पता लगाने की है कि

विकास कहां है और यह इसकी सच्ची संभावना को हासिल करने के लिए आवश्यक है।इस मुश्किल और चुनौतीपूर्ण समय में तथा अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 पर वाधवानी एडवांटेज के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट समीर साठे कहते हैं, ÷महामारी ने जब सारी दुनिया को परेशान कर रखा है खासकर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को तो इत तथ्य को नए सिरे से स्वीकार किया जा रहा है कि एमएसएमई को सहायता की जरूरत है। उनपर ध्यान दिया जाना चाहिए और अगर ऐसा नहीं किया गया तो कारोबार, वाणिज्य, अर्थव्यवस्था और आजीविका की विश्व व्यवस्था भरभरा कर गिर जाएगा और समय नहीं लगेगा, खत्म हो जाएगी।

समीर साठे आगे कहते हैं, एमएसएमई पंजीकरण में हाल में आई तेजी और उनके कारोबारों में डिजिटल नवीनता का निगमन एमएसएमई के लचीलेपन का एक उत्साहवर्धक संकेत है और यह महामारी के बावजूद है। वाधवानी एडवांटेज उनके कारोबारी बुनियाद को गति देने और मजबूत करने के साथ उन्हें स्थिर करने पर फोकस करता है। इस तरह, दीर्घ अवधि में द्रुत विकास को संभव करता है। हम कारोबारों का सशक्तिकरण करते हैं और उन्हें अपनी विकास संभावना को अधिकत्तम करने की क्षमता से लैस करते हैं। इसके लिए ऑटोमेटेड बिजनेस डिसकवरी और ट्रांसफॉर्मेशन टूल्स मुहैया करवाते हैं। हम चाहते हैं कि उद्यमियों को प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे अपने सलाहकार बन सकें।

Publication: Dina Kural Edition: Chennai Date: June 25th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

சர்வதேச சிறு,குறு மற்றும் நடுத்தர தொழில் முனைவோர் (MSME) தினத்தை முன்னிட்டு வாத்வானி அறக்கட்டளை சிறப்பு நிகழ்ச்சி

சென்னை, 25, ஜூன் 2021: கோவிட் தொற்றுநோய் காரணமாக பொருளாதார சிக்கலில் உள்ள சிறு,குறு மற்றும் நடுத்தர தொழில் நிறுவனங்களின் வளர்ச்சியை விரைவுபடுத்துவதற்காக, உலகளாவிய இலாப நோக்கற்ற வாத்வானி அறக்கட்டளை அந்நிறுவனங்களுக்கு அழைப்பு விடுத்துள்ளது.

சர்வதேச எம்.எஸ்.எம்.இ தினம் 2021 என்பது எம்.எஸ்.எம்.இ துறை சந்தித்து வரும் பேரிடர் கால சிக்கல்களை ஆராய்ந்து சிந்திக்க வேண்டிய தருணமாகும். எம்.எஸ்.எம்.இ நிறுவனங்கள் நாட்டின் பொருளாதார மற்றும் சமூக வளர்ச்சியில் ஒரு முக்கியமான பகுதியாகும், ஆதலால் இதன் சிக்கல்களுக்கு தீர்வு காண நன்கு கட்டமைக்கப்பட்ட மூலோபாய தீர்வுகள் அவசியம் ஆகிறது. பணப்புழக்கங்கள், ஊதியங்கள், கடன் போன்ற பல்வேறு விஷயங்களுக்கு தீர்வு காண்பதன் மூலம் மட்டுமே இந்த துறையை மீண்டும் வளர்ச்சி பாதைக்கு திருப்ப இயலும்.

இந்த கடினமான மற்றும் சவாலான காலகட்டத்தில் வரும் சர்வதேச எம்எஸ்எம்இ தினத்தின் போது, வாத்வானி அறக்கட்டளையின் நிர்வாக துணை தலைவர் திரு சமீர் சாத்தே கூறுகையில், "தொற்றுநோய் உலகத்தை, குறிப்பாக வளரும் பொருளாதாரங்களைத் தொடர்ந்து பாதித்து வருவதால், சிறு,குறு மற்றும் நடுத்தர தொழில் நிறுவனங்களின் வளர்ச்சியின் மீது அதிக கவனம் தேவைப்படுகிறது. இது தோல்வியுற்றால், வணிக, வர்த்தகம், பொருளாதாரம் மற்றும் வாழ்வாதாரங்களின் உலக ஒழுங்கு எந்த நேரத்திலும் நொறுங்கி விடும். சிறு,குறு மற்றும் நடுத்தர தொழில் நிறுவனங்களின் சமீபத்திய எழுச்சி மற்றும் டிஜிட்டல் புதுமைகளை அவர்களின் வணிகங்களில் இணைப்பது இந்த தொற்றுநோய் பின்னடைவின் போதும் ஊக்கமளிக்கும் குறிகாட்டியாகும். வாத்வானி அறக்கட்டளை அவர்களின் வணிக அடிப்படைகளை விரைவுபடுத்துவதற்கும் பலப்படுத்துவதற்கும் கவனம் செலுத்துகிறது, குறைந்த காலத்தில் அவர்கள் தங்கள் வணிகத்தை நிலை நிறுத்தவும் மற்றும் நீண்ட காலத்திற்கு விரைவான வளர்ச்சியை எளிதாக்கவும் உதவுகிறது. தானியங்கு வணிக கண்டுபிடிப்பு மற்றும் உருமாற்ற கருவிகளின் உதவியுடன் அவர்களின் வளர்ச்சி திறனை நாங்கள் மேம்படுத்துகிறோம் என்று கூறினார்.

Publication: Andhra Jyothi Edition: Hyderabad & Chennai Date: June 25th 2021

Headline: Empowering MSMEs

ఎంఎస్ఎంఈ రంగాన్ని ఆదుకోండి

చెన్నై, జూన్ 24 (ఆంధ్రజ్యోతి): సూక్ష్మ, చిన్నతరహా, మధ్య తరహా పరిశ్రమల (ఎంఎస్ఎంఈ) దినోత్సవాన్ని పురస్కరించుకుని కరోనా మహా మ్మారితో తీవ్రంగా నష్టపోయిన ఆ రంగాన్ని ఆదుకోవాలని వాద్వానీ ఫౌండేషన్ పిలుపునిచ్చింది. ఈ మేరకు ఆ సంస్థ ప్రతినిధి సమీర్ సాధే మాట్లాడుతూ.. ఎంఎస్ఎంఈ దినోత్సవమంటే ఆ రంగం ఎదుర్కొంటున్న కష్టనష్టాల పై ఆత్మపరిశీలన చేసుకోవడమేనన్నారు. వ్యూహాత్మక, నిర్మాణా త్మక మద్దతుతోనే పూర్తి పునరుద్ధరణ సాధ్యమ వుతుందన్నారు. ధన ప్రవాహం, వేతనాలు, దాని నిజమైన సామర్థ్యాన్ని గ్రహించడంలో వృద్ధి ఎక్కడ ఉందో తెలుసుకోవడం వల్ల మరిన్ని ముఖ్యమైన సవాళ్లను ఎదుర్కోవడం ద్వారా ఈ రంగాన్ని స్థిరీకరించడం చాలా అవసరమన్నారు.

సమీర్ సాధే

Publication: Free Press Gujarat Edition: Ahmedabad Date: June 25th 2021

Wadhwani Foundation calls for EMPOWERINGMSMEs, on International MSME Day 2021

Ahmedabad, On the eve of International MSME Day, the global not-for-profit Wadhwani Foundation has called for empowering MSMEs with capabilities to accelerate their growth, to the struggling MSME sector due to the COVID pandemic.

The International MSME Day 2021 is a time to introspect and reflect upon the hardships bestowed upon the MSME sector.However, MSMEs are a crucial part of the economic and social fabric of the country, and complete recovery will only be possible with a high-intensity and strategically structured support to this high-spirited sector. Therefore, it is essential to stabilize the sector by meeting the immediate challenges of cash flows,wages, pressing creditorsand perhaps more important challenges of finding where growth lies, in realising its true potential.

In thesedifficult and challenging times and on the eve of International MSME Day 2021, Samir Sathe, Executive Vice President, Wadhwani Advantage, says, "As the pandemic continues to trouble the world, especially the developing economies, there is a renewed appreciation of the fact that MSMEs need attention, care, nurturing and rejuvenation, failing which, the world order of business, commerce, economics and livelihoods will crumble and wither, in no time." (19-10)

Publication: Ahmedabad Express Edition: Ahmedabad Date: June 25th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

વાધવાની ફાઉન્ડેશન, આંતરરાષ્ટ્રીય એમએસએમઇ

એમએસએમઇ દિવસના રોજ સશક્તિકરણ માટે અપીલ કરે છે

અમદાવાદ । ફાઉન્ડેશને છેલ્લા એક વર્ષ દરમિયાન ૫૫૦ એસએમઇ અને તેમના ૫૦૦૦ કર્મચારીઓને હકારાત્મક અસર કરી છે. આંતરરાષ્ટ્રીય એમએસએમઇ દિવસ નિમિત્તે, વૈશ્વિક નફાકારક વાધવાની ફાઉન્ડેશન દ્વારા એમએસએમઇના સશક્તિકરણ માટે અપીલ કરવામાં આવી છે અને કહ્યું છે કે જેની સંભાવના છે તેમણે તેમના વિકાસને વેગ આપવો જોઈએ. આ ઉપરાંત, કોવિડ રોગચાળાને કારણે સંઘર્ષ કરી રહેલા એમએસએમઈઓને પણ મજબુત બનાવવું જોઈએ. આંતરરાષ્ટ્રીય એમએસએમઇ દિવસ ૨૦૨૧એ સમય છે જ્યારે આપણે આત્મનિરીક્ષણ કરવું જોઈએ અને એમએસએમઇ ક્ષેત્રનો સામનો કરી રહેલી મુશ્કેલીઓનું ધ્યાન રાખવું જોઈએ. જોકે, એમએસએમઈએ દેશના આર્થિક અને સામાજિક બનાવટનો એક મહત્વપૂર્ણ ભાગ છે અને સંપૂર્ણ પુનપ્રાપ્તિ ફક્ત ઉચ્ચ-તીવ્રતા અને વ્યૂહરચનાત્મકરીતે તૈયાર ટેકોથીજ શક્ય બનશે. રોકડ પ્રવાહ, પગાર, ધિરાણ આપનારાઓ પર ધ્યાન આપવાની સાથે, કદાચ વધુ મહત્ત્વનો પડકાર એ શોધવાનો છે કે વૃદ્ધિક્યાં છે અને તેની સાચીસંભાવનાને સમજવા માટે શું જરૂરી છે.

Publication: Herald Young Leader Edition: Ahmedabad Date: June 25th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

वाधवानी फाउंडेशन ने एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की

अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के मौके पर मुनाफा नहीं कमाने वाले वैश्विक वाधवानी फाउंडेशन ने एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की है और कहा है कि जिनकी क्षमता है उन्हें अपने विकास को गति देनी चाहिए। इसके अलावा, कोविड महामारी के कारण संघर्ष कर रहे एमएसएमई को भी मजबूत किया जाना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 एक ऐसा समय है जब हमें आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और एमएसएमई क्षेत्र को जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है उसका ख्याल रखना चाहिए। हालांकि, एमएसएमई देश के आर्थिक और सामाजिक ताना–बाना का अहम हिस्सा है और पूरी रीकवरी उच्च सघनता और रणनीतिक ढंग से तैयार सहायता से ही संभव होगी और बेहद उत्साह वाले क्षेत्र को इसकी जरूरत है। इसलिए, यह आवश्यक है कि इस क्षेत्र को स्थिर किया जाए और इसके लिए तात्कालिक चुनौतियों का मुकाबला किया जाए। इनमें नकद प्रवाह, वेतन, दबाव डाल रहे कर्जदाताओं का ख्याल रखने के साथ शायद ज्यादा महत्वपूर्ण चुनौती यह पता लगाने की है कि विकास कहां है और यह इसकी सच्ची संभावना को हासिल करने के लिए आवश्यक है।

इस मुश्किल और चुनौतीपूर्ण समय में तथा अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 पर वाधवानी एडवांटेज के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट समीर साठें कहते हैं, महामारी ने जब सारी दुनिया को परेशान कर रखा है खासकर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को तो इत तथ्य को नए सिरे से स्वीकार किया जा रहा है कि एमएसएमई को सहायता की जरूरत है। उनपर ध्यान दिया जाना चाहिए और अगर ऐसा नहीं किया गया तो कारोबार, वाणिज्य, अर्थव्यवस्था और आजीविका की विश्व व्यवस्था भरभरा कर गिर जाएगा और समय नहीं लगेगा, खत्म हो जाएगी।

Publication: Standard Herald Edition: Ahmedabad Date: June 25th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

વાધવાની ફાઉન્ડેશન એમએસએમઈના સશક્તિકરણ માટે અપીલ કરે છે

આંતરરાષ્ટ્રીય એમએસએમઈ દિવસ નિમિત્તે, વૈશ્વિક નફાકારક વાધવાની ફાઉન્ડેશન દ્વારા એમએસએમઈના સશક્તિકરણ માટે અપીલ કરવામાં આવી છે અને કહ્યું છે કે જેની સંભાવના છે તેમણે તેમના વિકાસને વેગ આપવો જોઈએ. આ ઉપરાંત, કોવિડ રોગચાળાને કારણે સંઘર્ષ કરી રહેલા એમએસએમઈઓને પણ મજબુત બનવવું જોઈએ. આંતરરાષ્ટ્રીય એમએસએમઈ દિવસ ૨૦૨૧ એ સમય છે જ્યારે આપણે આત્મનિરીક્ષણ કરવું જોઈએ અને એમએસએમઈ ક્ષેત્રનો સામનો કરી રહેલી મુશ્કેલીઓનું ધ્યાન રાખવું જોઈએ. જો કે, એમએસએમઈ એ દેશના આર્થિક અને સામાજિકબનાવટનો એક મહત્વપૂર્ણ ભાગ છે અને સંપૂર્ણ પુન પ્રાપ્તિ ફક્ત ઉચ્ચ-તીવ્રતા અને વ્યૂહરચનાત્મક રીતે તૈયાર ટેકોથી જ શક્ય બનશે, જે ઉચ્ચ ઉત્સાહી ક્ષેત્ર દ્વારા જરૂરી છે. તેથી, આ ક્ષેત્રને સ્થિર કરવું અને તેનમાટે તાત્કાલિક પડકારોના સામનો કરવો જરૂરી છે.રોકડ પ્રવાહ, પગાર, ધિરાણ આપનારાઓ પર ધ્યાન આપવાની સાથે, કદાચ વધુ મહત્ત્વનો પડકાર એ શોધવાનો છે કે વૃદ્ધિ ક્યાં છે અને તેની સાચી સંભાવનાને સમજવા માટે શું જરૂરી છે.

આ મુશ્કેલ અને પડકારજનક સમયમાં અને આંતરરાષ્ટ્રીય એમએસએમઈ ડે ૨૦૨૧ ના ??રોજ વાધવાની એડવાન્ટેજના એક્ઝિક્યુટિવ વાઈસ પ્રેસિડેન્ટ સમીર સાથે કહે છે,"જ્યારે રોગચાળો વિશ્વને, ખાસ કરીને વિકસિત અર્થતંત્રોાં ડૂબી ગયો છે, ત્યારે એમ.એસ.એમ.ઈ.ને સહાયની જરૂર હોવાની હકીકતને નવી સ્વીકૃતિ મળી છે.

Publication: Prabhat Edition: Ahmedabad Date: June 25th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

વાધવાની ફાઉન્ડેશન, આંતરરાષ્ટ્રીય MSME દિવસના રોજ સશક્તિકરણ માટે અપીલ કરે છે

આંતરરાષ્ટ્રીય એમએસએમઈ દિવસ નિમિત્તે, વૈશ્વિક નફાકારક વાધવાની ફાઉન્ડેશન દ્વારા એમએસએમઈના સશક્તિકરણ માટે અપીલ કરવામાં આવી છે અને કહ્યું છે કે જેની સંભાવના છે તેમણે તેમના વિકાસને વેગ આપવો જોઈએ. આ ઉપરાંત, કોવિડ રોગચાળાને કારણે સંઘર્ષ કરી રહેલા એમએસએમઈઓને પણ મજબુત બનાવવું જોઈએ.

આંતરરાષ્ટ્રીય એમએસએમઈ દિવસ ૨૦૨૧ એ સમય છે જ્યારે આપણે આત્મનિરીક્ષણ કરવું જોઈએ અને એમએસએમઈ ક્ષેત્રનો સામનો કરી રહેલી મુશ્કેલીઓનું ધ્યાન રાખવું જોઈએ. જો કે, એમએસએમઈ એ દેશના આર્થિક અને સામાજિક બનાવટનો એક મહત્વપૂર્ણ ભાગ છે અને સંપૂર્ણ પુન પ્રાપ્તિ ફક્ત ઉચ્ચમતીવ્રતા અને વ્યૂહરચનાત્મક રીતે તૈયાર ટેકોથી જ શક્ય બનશે, જે ઉચ્ચ ઉત્સાહી ક્ષેત્ર દ્વારા જરૂરી છે. તેથી, આ ક્ષેત્રને સ્થિર કરવું અને તેના માટે તાત્કાલિક પડકારોનો સામનો કરવો જરૂરી છે.રોકડ પ્રવાહ, પગાર, ધિરાણ આપનારાઓ પર ધ્યાન આપવાની સાથે, કદાચ વધુ મહત્ત્વનો પડકાર એ શોધવાનો છે કે વૃદ્ધિ ક્યાં છે અને તેની સાચી સંભાવનાને સમજવા માટે શું જરૂરી છે.

આ મુશ્કેલ અને પડકારજનક સમયમાં અને આંતરરાષ્ટ્રીય એમએસએમઈ ડે ૨૦૨૧ ના રોજ વાધવાની એડવાન્ટેજના એક્ઝિક્યુટિવ વાઈસ પ્રેસિડેન્ટ સમીર સાથે કહે છે, "જ્યારે રોગચાળો વિશ્વને, ખાસ કરીને વિકસિત અર્થતંત્રોમાં ડૂબી ગયો છે, ત્યારે એમ.એસ.એમ.ઈ.ને સહાયની જરૂર હોવાની હકીકતને નવી સ્વીકૃતિ મળી છે. તેમની કાળજી લેવી જોઈએ અને જો આ કરવામાં નહીં આવે તો વિશ્વ, વ્યવસાય, વાણિજ્ય, અર્થતંત્ર અને આજીવિકા સંપૂર્ણ રીતે પતન કરશે અને સમય લેશે નહીં, પડી જશે."

સમીર સાથેએ ઉમેર્યું હતું કે, "એમએસએમઈ રજિસ્ટ્રેશનમાં તાજેતરનો ઉછાળો અને ડિજિટલ ઈનોવેશનનો તેમના વ્યવસાયોમાં સમાવેશ એ એમએસએમઈના સ્થિતિસ્થાપકતાના પ્રોત્સાહક સંકેત છે અને આ રોગચાળો હોવા છતાં. વાઢવાની એડવાન્ટેજ તેમના વ્યવસાયિક આધારને સ્થિર કરવા અને વેગ આપવા પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરે છે.આ રીતે, તે લાંબા ગાળે ઝડપી વૃદ્ધિને સક્ષમ કરે છે. અમે વ્યવસાયોને સશક્તિકરણ કરીએ છીએ અને તેમની વૃદ્ધિની સંભાવનાને મહત્તમ કરવાની ક્ષમતાથી સજ્જ કરીએ છીએ. આ માટે, તેઓ સ્વચાલિત વ્યવસાયિક શોધ અને રૂપાંતર સાધનો પ્રદાન કરે છે.

Publication: Young Leader Edition: Ahmedabad Date: June 25th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

वाधवानी फाउंडेशन ने अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 पर एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की

नई दिल्ली । 2021 अंतर राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के मौके पर मुनाफा नहीं कमाने वाले वैश्विक वाधवानी फाउंडेशन ने एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की है और कहा है कि जिनकी क्षमता है उन्हें अपने विकास को गति देनी चाहिए। इसके अलावा, कोविड महामारी के कारण संघर्ष कर रहे एमएसएमई को भी मजबूत किया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 एक ऐसा समय है जब हमें आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और एमएसएमई क्षेत्र को जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है उसका ख्याल रखना चाहिए। हालांकि, एमएसएमई देश के आर्थिक और सामाजिक ताना-बाना का अहम हिस्सा है और पूरी रीकवरी उच्च सघनता और रणनीतिक ढंग से तैयार सहायता से ही संभव होगी और बेहद उत्साह वाले क्षेत्र को इसकी जरूरत है। इसलिए, यह आवश्यक है कि इस क्षेत्र को स्थिर किया जाए और इसके लिए तात्कालिक चुनौतियों का मुकाबला किया जाए। इनमें नकद प्रवाह, वेतन, दबाव डाल रहे कर्जदाताओं का ख्याल रखने के साथ शायद ज्यादा महत्वपूर्ण चुनौती यह पता लगाने की है कि विकास कहां है और यह इसकी सच्ची संभावना को हासिल करने के लिए आवश्यक है। इस मुश्किल और चुनौतीपूर्ण समय में तथा अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 पर वाधवानी एडवांटेज के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट समीर साठे कहते हैं, महामारी ने जब सारी दुनिया को परेशान कर रखा है खासकर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को तो इस तथ्य को नए सिरे से स्वीकार किया जा रहा है कि एमएसएमई को सहायता की जरूरत है। उनपर ध्यान दिया जाना चाहिए और अगर ऐसा नहीं किया गया तो कारोबार, वाणिज्य, अर्थव्यवस्था और आजीविका की विश्व व्यवस्था भरभरा कर गिर जाएगा और समय नहीं लगेगा, खत्म हो जाएगी। समीर साठे आगे कहते हैं, एमएसएमई पंजीकरण में हाल में आई तेजी और उनके कारोबारों में डिजिटल नवीनता का निगमन एमएसएमई के लचीलेपन का एक उत्साहवर्धक संकेत है और यह महामारी के बावजूद है। वाधवानी एडवांटेज उनके कारोबारी बुनियाद को गति देने और मजबूत करने के साथ उन्हें स्थिर करने पर फोकस करता है। इस तरह, दीर्घ अवधि में द्रुत विकास को संभव करता है। हम कारोबारों का सशक्तिकरण करते हैं और उन्हें अपनी विकास संभावना को अधिकतम करने की क्षमता से लैस करते हैं। इसके लिए ऑटोमेटेड बिजनेस डिसकवरी और ट्रांसफॉर्मेशन टूल्स मुहैया करवाते हैं। हम चाहते हैं कि उद्यमियों को प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे अपने सलाहकार बन सकें। एमएसएमई क्षेत्र को आम तौर पर देश के विकास के इंजन के रूप में जाना जाता है और देश की अर्थव्यवस्था में इसका योगदान 30% से ज्यादा है और यह जीडीपी के साथ-साथ रोजगार के मौके बनाने में भी है।

Publication: Southern Mail Edition: Chennai Date: June 26th 2021

Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

Chennai: On the eve of International MSME Day, the global not-for-profit Wadhwani Foundation has called for empowering MSMEs with capabilities to accelerate their growth, to the struggling MSME sector due to the COVID pandemic. The International MSME Day 2021 is a time to introspect and reflect upon the hardships bestowed upon the MSME sector. However, MSMEs are a crucial part of the economic and social fabric of the country, and complete recovery will only be possible with a high-intensity and strategically structured support to this high-spirited sector. Therefore, it is essential to stabilize the sector by meeting the immediate challenges of cash flows, wages, pressing creditors and perhaps more important challenges of finding where growth lies, in realising its true potential. In these difficult and challenging times and on the eve of International MSME Day 2021, Samir Sathe, Executive Vice President, Wadhwani Advantage, says, "As the pandemic continues to trouble the world, especially the developing economies, there is a renewed appreciation of the fact that MSMEs need attention, care, nurturing and rejuvenation, failing which, the world order of business, commerce, economics and livelihoods will crumble and wither, in no time." Samir Sathe further adds, "The recent surge in MSME registration and incorporation of digital innovation into their businesses is an encouraging indicator of the resilience of MSMEs despite the pandemic. Wadhwani Advantage focuses on accelerating and strengthening their business fundamentals, stabilizing their business in the medium-term and facilitating rapid growth in the long term. We empower businesses with capabilities to maximize their growth potential with the help of automated Business Discovery and Transformation Tools. We want entrepreneurs to be trained in becoming their own advisors." MSME sector is widely acknowledged as the growth engine of the country's economy, contributing over 30% of the economy both in GDP and employment generation. The COVID pandemic had a severe untoward impact on the entire MSME sector in the country. Under the given situation, it is necessary that there should be revival measures to support them.

Publication: Trinity Mirror Edition: Chennai Date: June 26th 2021

Wadhwani Foundation calls for Empowering MSMEs on International MSME Day 2021

Chennai, June 25:

On the eve of International MSME Day, the global not-for-profit Wadhwani Foundation has called for empowering MSMEs with capabilities to accelerate their growth, to the struggling MSME sector due to the COVID pandemic.

The International MSME Day 2021 is a time to introspect and reflect upon the hardships bestowed upon the MSME sector. However, MSMEs are a crucial part of the economic and social fabric of the country, and complete recovery will only be possible with a high-intensity and strategically structured support to this high-spirited sector. Therefore, it is essential to stabilize the sector by meeting the immediate challenges of cash flows, wages, pressing creditors and perhaps more important challenges of finding where growth lies, in realising its true potential.

In these difficult and challenging times and on the eve of International MSME Day 2021, Samir Sathe, Executive Vice President, Wadhwani Advantage, says, "As the pandemic continues to trouble the world, especially the developing economies, there is a renewed appreciation of the fact that MSMEs need attention, care, nurturing and rejuvenation, failing which, the world order of business, commerce, economics and livelihoods will crumble and wither, in no time."

Samir Sathe further adds, "The recent surge in MSME registration and incorporation of digital innovation into their businesses is an encouraging indicator of the resilience of MSMEs despite the pandemic. Wadhwani Advantage focuses on accelerating and strengthening their business fundamentals, stabilizing their business in the medium-term and facilitating rapid growth in the long term. We empower businesses with capabilities to maximize their growth potential with the help of automated Business Discovery and Transformation Tools. We want entrepreneurs to be trained in becoming their own advisors."

MSME sector is widely acknowledged as the growth engine of the country's economy, contributing over 30% of the economy both in GDP and employment generation. The COVID pandemic had a severe untoward impact on the entire MSME sector in the country. Under the given situation, it is necessary that there should be revival measures to support them.

Publication: Nav Gujarat Samay Edition: Ahmedabad Date: June 26th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

વાધવાની ફાઉન્ડેશનની MSMEના સશક્તિકરણ માટે અપીલ

અમદાવાદઃ આંતરરાષ્ટ્રીય એમએસએમઇ દિવસ નિમિત્તે વાધવાની ફાઉન્ડેશને એમએસએમઇના સશક્તિકરણ માટે અપીલ કરી છે. કોવિડ રોગચાળાને કારણે સંઘર્ષ કરી રહેલા એમએસએમઇઓને પણ મજબુત બનાવવું જોઈએ. આંતરરાષ્ટ્રીય એમએસએમઇ દિવસ 2021 એ સમય છે જ્યારે આપણે એમએસએમઇ ક્ષેત્રનો સામનો કરી રહેલી મુશ્કેલીઓનું ધ્યાન રાખવું જોઈએ.

Publication: Western Times Edition: Ahmedabad Date: June 26th 2021

Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

New Delhi,

On the eve of International MSME Day, the global not-for-profit Wadhwani Foundation has called for empowering MSMEs with capabilities to accelerate their growth, to the struggling MSME sector due to the COVID pandemic.

The International MSME Day 2021 is a time to introspect and reflect upon the hardships bestowed upon the MSME sector. However, MSMEs are a crucial part of the economic and social fabric of the country, and complete recovery will only be possible with a high-intensity and strategically structured support to this high-spirited sector. Therefore, it is essential to stabilize the sector by meeting the immediate challenges of cash flows,wages, pressing creditorsand perhaps more important challenges of finding where growth lies, in realising its true potential. In these difficult and challenging times and on the eve of International MSME Day 2021, Samir Sathe, Executive Vice President,Wadhwani Advantage, says,"As the pandemic continues to trouble the world, especially the developing economies, there is a renewed appreciation of the fact that MSMEs need attention, care, nurturing and rejuvenation, failing which, the world order of business, commerce, economics and livelihoods will crumble and wither, in no time." Samir Sathe further adds, "Therecent surge in MSME registration and incorporation of digital innovation into their businessesis an encouraging indicator of the resilience ofMSMEs despite the pandemic.

Wadhwani Advantage focuses on accelerating and strengthening their business fundamentals, stabilizing their business in the medium-term and facilitating rapid growth in the long term. We empower businesses with capabilities to maximize their growth potential with the help of automated Business Discovery & Transformation Tools.We want entrepreneurs to be trained in becoming their own advisors."

MSME sector is widely acknowledged as the growth engine of the country's economy, contributing over 30% of the economy both in GDP and employment generation. The COVID pandemic had a severe untoward impact on the entire MSME sector in the country.Under the given situation, it is necessary that there should be revival measures to support them.

Publication: Prabhat Khabar Edition: Kolkata Date: June 26th 2021

Headline: Call for Empowering MSMEs

एमएसएमइ सशक्तीकरण की अपील

कोलकाता. अंतरराष्ट्रीय एमएसएमइ दिवस के अवसर पर वाधवानी फाउंडेशन की ओर से एमएसएमइ के सशक्तीकरण की अपील की गयी है. फाउंडेशन ने साथ ही कोविड के कारण सुस्त पड़े एमएसएमइ को मजबूत किये जाने की भी मांग की है. वाधवानी एडवांटेज के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट समीर साठे ने कहा कि महामारी ने समूची दुनिया को परेशान किया है. विशेषकर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को खासी मुश्किल में डाला है. एमएसएमइ को सहायता की जरूरत शिद्दत से महसूस की जा रही है. इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो कारोबार, वाणिज्य और अर्थव्यस्था को और गंभीर नुकसान पहुंचेगा.

Publication: Dainik Statesman Edition: Kolkata Date: June 26th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

এমএসএমই চাঙ্গা করতে উদ্যোগ

নিজস্ব প্রতিনিধি— করোনা পরিস্থিতির জন্য লকডাউনের কারণে দেশে এমএসএমইগুলি কাঁচা মালের মূল্য বৃদ্ধি ও কর্মীর অভাবে দারুণভাবে ক্ষতিগ্রস্ত হচ্ছে। আন্তর্জাতিক এমএসএমই দিবস উপলক্ষে ওয়াধওয়ানি সংস্থা এমএসএমইগুলিকে চাঙ্গা করার জন্য নানান সহায়তা প্রদানের জন্য এগিয়ে এসেছে। সংস্থার পক্ষে সমীর সাথে জানান, স্বেচ্ছাসেবী সংস্থা হিসেবে ওয়াধওয়ানি এমএসএমইগুলিকে আর্থিক ও অন্যান্য সকল রকমের সহায়তা দিতে প্রস্তুত।

Publication: Dainik Vishwamitra Edition: Kolkata Date: June 26th 2021

Headline: Wadhwani Foundation Call for Empowering MSMEs

वाधवानी फाउंडेशन की सशक्तिकरण की

कोलकाता, 25 जून (निप्र)। अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के मौके पर वाधवानी फाउंडेशन ने एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की है और कहा है कि जिनकी क्षमता है उन्हें अपने विकास को गति देनी चाहिए। इसके अलावा, कोविड महामारी के कारण संघर्ष कर रहे एमएसएमई को भी मजबूत किया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 एक ऐसा समय है जब हमें आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और एमएसएमई क्षेत्र को जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है उसका ख्याल रखना चाहिए। हालांकि, एमएसएमई देश के आर्थिक और सामाजिक ताना-बाना का अहम हिस्सा है और पूरी रीकवरी उच्च सघनता और रणनीतिक ढंग से तैयार सहायता से ही संभव होगी और बेहद उत्साह वाले क्षेत्र को इसकी जरूरत है। इसलिए, यह आवश्यक है कि इस क्षेत्र को स्थिर किया जाए और इसके लिए तात्कालिक चुनौतियों का मुकाबला किया जाए। इनमें नकद प्रवाह, वेतन, दबाव डाल रहे कर्जदाताओं का ख्याल रखने के साथ शायद ज्यादा महत्वपूर्ण चुनौती यह पता लगाने की है कि विकास कहां है और यह इसकी सच्ची संभावना को हासिल करने के लिए आवश्यक है। इस मुश्किल और चुनौतीपूर्ण समय में तथा अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 पर वाधवानी एडवांटेज के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट समीर साठे कहते हैं, महामारी ने जब सारी दुनिया को परेशान कर रखा है खासकर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को तो इत तथ्य को नए सिरे से स्वीकार किया जा रहा है कि एमएसएमई को सहायता की जरूरत है। उनपर ध्यान दिया जाना चाहिए और अगर ऐसा नहीं किया गया तो कारोबार, वाणिज्य, अर्थव्यवस्था और आजीविका की विश्व व्यवस्था भरभरा कर गिर जाएगा और समय नहीं लगेगा, खत्म हो जाएगी।

Publication: Samagya Edition: Kolkata Date: June 26th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

वाधवानी फाउंडेशन ने अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 पर एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की

कोलकाता, समाज्ञा : अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के मौके पर वाधवानी फाउंडेशन ने एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की है और कहा है कि जिनकी क्षमता है उन्हें अपने विकास को गति देनी चाहिए। इसके अलावा, कोविड महामारी के कारण संघर्ष कर रहे एमएसएमई को भी मजबूत किया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 एक ऐसा समय है जब हमें आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और एमएसएमई क्षेत्र को जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है उसका ख्याल रखना चाहिए। हालांकि, एमएसएमई देश के आर्थिक और सामाजिक ताना-बाना का अहम हिस्सा है और पूरी रीकवरी उच्च सघनता और रणनीतिक ढंग से तैयार सहायता से ही संभव होगी और बेहद उत्साह वाले क्षेत्र को इसकी जरूरत है। इस मुश्किल और चुनौतीपूर्ण समय में तथा अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 पर वाधवानी एडवांटेज के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट समीर साठे कहते हैं कि महामारी ने जब सारी दुनिया को परेशान कर रखा है खासकर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को तो इत तथ्य को नए सिरे से स्वीकार किया जा रहा है कि एमएसएमई को सहायता की जरूरत है।

Publication: Info India Edition: Kolkata Date: June 26th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

वाधवानी फाउंडेशन ने अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 पर एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की

कोलकाता, 25 जून। अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के मौके पर वाधवानी फाउंडेशन ने एमएसएमई के सशक्तिकरण की अपील की है और कहा है कि जिनकी क्षमता है उन्हें अपने विकास को गति देनी चाहिए। इसके अलावा, कोविड महामारी के कारण संघर्ष कर रहे एमएसएमई को भी मजबूत किया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 एक ऐसा समय है जब हमें आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और एमएसएमई क्षेत्र को जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है उसका ख्याल रखना चाहिए। हालांकि, एमएसएमई देश के आर्थिक और सामाजिक ताना-बाना का अहम हिस्सा है और पूरी रीकवरी उच्च सघनता और रणनीतिक ढंग से तैयार सहायता से ही संभव होगी और बेहद उत्साह वाले क्षेत्र को इसकी जरूरत है। इसलिए, यह आवश्यक है कि इस क्षेत्र को स्थिर किया जाए और इसके लिए तात्कालिक चुनौतियों का मुकाबला किया जाए। इनमें नकद प्रवाह, वेतन, दबाव डाल रहे कर्जदाताओं का ख्याल रखने के साथ शायद ज्यादा महत्वपूर्ण चुनौती यह पता लगाने की है कि विकास कहां है और यह इसकी सच्ची संभावना को हासिल करने के लिए आवश्यक है। इस मुश्किल और चुनौतीपूर्ण समय में तथा अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 पर वाधवानी एडवांटेज के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट समीर साठे कहते हैं, महामारी ने जब सारी दुनिया को परेशान कर रखा है खासकर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को तो इत तथ्य को नए सिरे से स्वीकार किया जा रहा है कि एमएसएमई को सहायता की जरूरत है। उनपर ध्यान दिया जाना चाहिए और अगर ऐसा नहीं किया गया तो कारोबार, वाणिज्य, अर्थव्यवस्था और आजीविका की विश्व व्यवस्था भरभरा कर गिर जाएगा और समय नहीं लगेगा, खत्म हो जाएगी।

Publication: Awad Ki Awaaz Edition: Delhi Date: June 26th 2021

Headline: Appeal for Empowering MSMEs affected by COVID

कोविड से प्राभावित एमएसएमई को सशक्त बनाने की अपील

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। अंतरराष्ट्रीय एम एस एम ई दिवस के मौके पर वाधवानी फाउंडेशन ने एम एस एम ई के सशक्तिकरण की अपील करते हुए कहा है कि जिनकी क्षमता है उन्हें अपने विकास को गति देनी चाहिए। इसके अलावा, कोविड महामारी के कारण संघर्ष कर रहे एम एस एम ई को भी मजबूत किया जाना चाहिए।

फाउंडेशन ने कहा कि अंतर राष्ट्रीय एम एस एम ई दिवस 2021 एक ऐसा समय है जब हमें आत्म निरीक्षण करना चाहिए और एम एस एम ई क्षेत्र को जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है उसका ख्याल रखना चाहिए। हालांकि, एमएसएमई देश के आर्थिक और सामाजिक ताना–बाना का अहम हिस्सा है और पूरी रीकवरी उच्च सघनता और रणनीतिक ढंग से तैयार सहायता से ही संभव होगी और बेहद उत्साह वाले क्षेत्र को इसकी जरूरत है। इसलिए, यह आवश्यक है कि इस क्षेत्र को स्थिर किया जाए और इसके लिए तात्कालिक चुनौतियों का मुकाबला किया जाए। इनमें नकद प्रवाह, वेतन, दबाव डाल रहे कर्जदाताओं का ख्याल रखने के साथ शायद ज्यादा महत्वपूर्ण चुनौती यह पता लगाने की है कि विकास कहां है और यह इसकी सच्ची संभावना को हासिल करने के लिए आवश्यक है।

वाधवानी एडवांटेज के कार्यकारी उपाध्यक्ष समीर साठे ने कहा "महामारी ने जब सारी दुनिया को परेशान कर रखा है खासकर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को तो इत तथ्य को नए सिरे से स्वीकार किया जा रहा है कि एमएसएमई को सहायता की जरूरत है। उनपर ध्यान दिया जाना चाहिए और अगर ऐसा नहीं किया गया तो कारोबार, वाणिज्य, अर्थव्यवस्था और आजीविका की विश्व व्यवस्था भरभरा कर गिर जाएगा और समय नहीं लगेगा, खत्म हो जाएगी।"

उन्होनें कहा कि एमएसएमई पंजीकरण में हाल में आई तेजी और उनके कारोबारों में डिजिटल नवीनता का निगमन एमएसएमई के लचीलेपन का एक उत्साहव र्क संकेत है और यह महामारी के बावजूद है। वा ावानी एडवांटेज उनके कारोबारी बुनियाद को गति देने और मजबूत करने के साथ उन्हें स्थिर करने पर फोकस करता है। इस तरह दीर्घ अवधि में द्रुत विकास को संभव करता है। हम कारोबारों का सशक्तिकरण करते हैं और उन्हें अपनी विकास संभावना को अधि ाकत्तम करने की क्षमता से लैस करते हैं। इसके लिए ऑटोमेटेड बिजनेस डिसकवरी और ट्रांस फॉर्मेशन टूल्स मुहैया करवाते हैं। हम चाहते हैं कि उद्यमियों को प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे अपने सलाहकार बन सकें।

एमएसएमई क्षेत्र को आम तौर पर देश के विकास के इंजन के रूप में जाना जाता है और देश की अर्थव्यवस्था में इसका योगदान 30 फीसदी से ज्यादा है और यह जीडीपी के साथ–साथ रोजगार भी पैदा करते है। कोविड महामारी का पूरे एमएसएमई क्षेत्र में गंभीर प्रभाव पड़ा था।

50 हजार से कम हुए

गया है। देश में सक्रिय मामलों की दर कम होकर 1.97 फीसदी, रिकवरी दर बढ़कर 96.72 फीसदी और मृत्यु दर 1.31 हो गयी है।

महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामलों में 1045 कमी आने के बाद यह संख्या घटकर 1,23,866 रह गयी है। इसी दौरान राज्य में 10,138 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 57,72799 हो गयी है जबकि 511 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1,20,370 हो गया है।

Publication: Theekathir Edition: Chennai Date: June 28th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

சிறு, குறு, நடுத்தர தொழில் நிறுவனங்கள் மீது அதிக கவனம் செலுத்த கோரிக்கை

சென்னை, ஜூன் 27-

கோவிட் தொற்றுநோய் காரணமாக பொருளாதார சிக்கலில் உள்ள சிறு,குறு மற்றும் நடுத்தர தொழில் நிறுவனங்களின் வளர்ச்சியை விரைவுபடுத்துவதற்காக, உலகளாவிய லாப நோக்கற்ற வாத்வானி அறக்கட்டளை அந்நிறுவனங்களுக்கு அழைப்பு விடுத்துள்ளது.

எம்.எஸ்.எம்.இ நிறுவனங்கள் நாட்டின் பொருளாதார மற்றும் சமூக வளர்ச்சியில் ஒரு முக்கியமான பகுதியாகும், ஆதலால் இதன் சிக்கல்களுக்கு தீர்வு காண நன்கு கட்டமைக்கப்பட்ட தீர்வுகள் அவசியம் ஆகிறது. பணப்புழக்கங்கள், ஊதியங்கள், கடன் போன்ற பல்வேறு விஷயங்களுக்கு தீர்வு காண்பதன் மூலம் மட்டுமே இந்த துறையை மீண்டும் வளர்ச்சி பாதைக்கு திருப்ப இயலும் என்று வாத்வானி அறக்கட்டளையின் நிர்வாக துணை தலைவர் சமீர் சாத்தே கூறினார்.

சர்வதேச எம்எஸ்எம்இ தினத்தை யொட்டி அவர் விடுத்துள்ள அறிக்கையில், "தொற்றுநோய் உலகத்தை, குறிப்பாக வளரும் பொருளாதாரங்களைத் தொடர்ந்து பாதித்து வருவதால், சிறு, குறு மற்றும் நடுத்தர தொழில் நிறுவனங்களின் வளர்ச்சியின் மீது அதிக கவனம் தேவைப்படுகிறது என்று கூறியுள்ளார்.

Publication: Deccan Chronicle Edition: Chennai Date: June 27th 2021

OTHER STORIES

Call to empower MSMEs

Chennai, June 27: The hardships faced by MSMEs were in focus on international MSME Day, which was Sunday. A crucial part of the economic fabric of the country, the MSME sector has been hardest hit by the pandemic in 2020-21. Recovery will be possible only with high-intensity and strategically structured support to the sector. They are facing the immediate challenges of cash flows, wages and pressing creditors, which may be inhibiting their realisation of their potential.

The sector is acknowledged as the growth engine of the economy, contributing over 30% both in GDP and employment generation. "As the pandemic continues to trouble the world, especially the developing economies, there is a renewed appreciation of the fact that MSMEs need attention, care, nurturing and rejuvenation, failing which, the world order of business, commerce, economics and livelihoods will crumble and wither, in no time," says Samir Sathe, Executive Vice President, Wadhwani Advantage an NGO that helps accelerate job creation in India and other emerging economies through large-scale initiatives in entrepreneurship, small business growth, innovation, and skilling.

Publication: Rajasthan Patrika Edition: Chennai, Coimbatore & Bengaluru Date: June 27th 2021

Headline: Appeal for Empowering MSMEs affected by COVID

विकास में तेजी को एमएसएमई को सशक्त बनाना जरूरी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

चेन्नई. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम दिवस हर साल 27 जून को मनाया जाता है। सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन में इन उद्योगों के योगदान को मान्यता देने के लिए यह दिन मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस की पूर्व संध्या पर, वैश्विक गैर-लाभकारी वाधवानी फाउंडेशन ने एमएसएमई को अपने विकास में तेजी लाने के लिए क्षमताओं के साथ सशक्त बनाने का आह्वान किया है क्योंकि वे कोविड महामारी के कारण संघर्ष कर रहे थे। अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 एमएसएमई क्षेत्र की कठिनाइयों पर आत्मनिरीक्षण करने का समय है। हालांकि एमएसएमई देश के आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, और इस क्षेत्र को उच्च-तीव्रता और रणनीतिक रूप से संरचित समर्थन के साथ ही पूर्ण पुनर्प्राप्ति संभव होगी।

वाधवानी एडवांटेज के कार्यकारी उपाध्यक्ष समीर साठे ने कहा, जैसा कि महामारी दुनिया, विशेष रूप से विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को परेशान कर रही है, इस तथ्य की नए सिरे से सराहना हो रही है कि एमएसएमई को ध्यान, देखभाल, पोषण और कायाकल्प की आवश्यकता है, जो विफल होने पर, दुनिया व्यापार, वाणिज्य, अर्थशास्त्र और आजीविका का ₹ म कुछ ही समय में उखड़ जाएगा और मुरझा जाएगा।

Publication: Vanakkam Thamizhagam Edition: Chennai Date: June 27th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

தொழில் முனைவோர் தினத்தை முன்னிட்டு வாத்வானி அறக்கட்டளை சிறப்பு நிகழ்ச்சி!

சென்னை.

கோவிட் தொற்றுநோய் காரணமாக பொருளாதார சிக்கலில் உள்ள சிறு,குறு மற்றும் நடுத்தர தொழில் நிறுவனங்களின் வளர்ச்சியை விரைவுபடுத்துவதற்காக, உலகளாவிய இலாப நோக்கற்ற வாத்வானி அறக்கட்டளை அந்நிறுவனங்களுக்கு அழைப்பு விடுத்துள்ளது.

சர்வதேச எம்.எஸ்.எம்.இ தினம் 2021 என்பது எம்.எஸ்.எம்.இ துறை சந்தித்து வரும் பேரிடர் கால சிக்கல்களை ஆராய்ந்து சிந்திக்க வேண்டிய தருணமாகும். எம்.எஸ்.எம்.இ நிறுவனங்கள் நாட்டின் பொருளாதார மற்றும் சமூக வளர்ச்சியில்

ஒரு முக்கியமான பகுதியாகும், ஆதலால் இதன் சிக்கல்களுக்கு தீர்வு காண நன்கு கட்டமைக்கப்பட்ட மூலோபாய தீர்வுகள் அவசியம் ஆகிறது. பணப்புழக்கங்கள், ஊதியங்கள், கடன் போன்ற பல்வேறு விஷயங்களுக்கு தீர்வு காண்பதன் மூலம் மட்டுமே இந்த துறையை மீண்டும் வளர்ச்சி பாதைக்கு திருப்ப இயலும்.

தொழில்முனைவோர், சிறு வணிக வளர்ச்சி, புதுமை மற்றும் திறன் ஆகியவற்றில் பெரிய அளவிலான முன்முயற்சிகள் மூலம் இந்தியாவிலும் பிற வளர்ந்து வரும் பொருளாதாரங்களிலும் வேலை வாய்ப்பை விரைவுபடுத்துவதற்கான முதன்மை நோக்கத்துடன் 2003 ஆம் ஆண்டில் டாக்டர் ரோமேஷ் வாத்வானியால் வாத்வானி அறக்கட்டளை நிறுவப்பட்டது. வாத்வானி அட்வாண்டேஜ் என்பது வாத்வானி அறக்கட்டளையின் ஒரு பகுதியாகும். இது ஒரு தனிப்பயனாக்கப்பட்ட செயற்கை நுண்ணறிவு செயலி மூலம் வணிக தொழில்முனைவோர் தங்கள் வணிக வளர்ச்சி திறனை உணர உதவுகிறது. வாத்வானி அட்வாண்டேஜ் வழங்கும் தானியங்கி செயலி வணிக ஆலோசனை சேவைகள் வணிகங்களின் வளர்ச்சி திறனை அதிகரிப்பதை நோக்கமாகக் கொண்டுள்ளன. இந்தத் திட்டத்தில் வணிக வளர்ச்சியை விரைவுபடுத்த உதவும்.

Publication: Suryakal Edition: Ahmedabad Date: June 26th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

વાધવાની ફાઉન્ડેશને આંતરરાષ્ટ્રીય એમએસએમઈના શક્તિકરણ માટે અપીલ કરી

મુંબઈ, શનિવાર

આંતરરાષ્ટ્રીય એમએસએમઈ દિવસ નિમિત્તે, વૈશ્વિક નફાકારક વાધવાની ફાઉન્ડેશન દ્વારા એમએસએમઈ ના સશક્તિકરણ માટે અપીલ કરવામાં આવી છે અને કહ્યું છે કે જેની સંભાવના છે તેમણે તેમના વિકાસને વેગ આપવો જોઈએ. આ ઉપરાંત, કોવિડ રોગચાળાને કારણે સંઘર્ષ કરી રહેલા એમએસએમઈ ઓને પણ મજબુત બનાવવું જોઈએ.

આંતરરાષ્ટ્રીય એમએસએમઈ દિવસ ૨૦૨૧ એ સમય છે જ્યારે આપણે આત્મ નિરીક્ષણ કરવું જોઈએ અને એમએસએમઈ ક્ષેત્રનો સામનો કરી રહેલી મુશ્કેલીઓનું ધ્યાન રાખવું જોઈએ.

જો કે, એમએસએમઈ એ દેશના આર્થિક અને સામાજિક બનાવટનો એક મહત્વપૂર્ણ ભાગ છે અને સંપૂર્ણ પુનપ્રાપ્તિ ફક્ત ઉચ્ચ-તીવ્રતા અને વ્યૂહરચનાત્મક રીતે તૈયાર ટેકોથી જ શક્ય બનશે, જે ઉચ્ચ ઉત્સાહી ક્ષેત્ર દ્વારા જરૂરી છે. તેથી, આ ક્ષેત્રને સ્થિર કરવું અને તેના માટે તાત્કાલિક પડકારોનો સામનો કરવો જરૂરી છે. રોકડ પ્રવાહ, પગાર, ધિરાણ આપનારાઓ પર ધ્યાન આપવાની સાથે, કદાચ વધુ મહત્ત્વનો પડકાર એ જોવાનો છે કે વૃદ્ધિ ક્યાં છે અને તેની સાચી સંભાવનાને સમજવા માટે શું જરૂરી છે.

આ મુશ્કેલ અને પડકારજનક સમયમાં અને આંતરરાષ્ટ્રીય એમએસએમઈ ૨૦૨૧ ના રોજ વાધવાની એડવાન્ટેજના એક્ઝિક્યુટિવ વાઈસ પ્રેસિડેન્ટ સમીર સાથે કહે છે, "જ્યારે રોગચાળો વિશ્વને, ખાસ કરીને વિકસિત અર્થતંત્રો માં ડૂબી ગયો છે, ત્યારે એમ.એસ.એમ.ઈ.ને સહાયની જરૂર હોવાની હકીકતને નવી સ્વીકૃતિ મળી છે. તેમની કાળજી લેવી જોઈએ અને જો આ કરવામાં નહીં આવે તો વિશ્વ, વ્યવસાય, વાણિજ્ય, અર્થતંત્ર અને આજીવિકા સંપૂર્ણ રીતે પતન કરશે અને સમય લેશે નહીં, પડી જશે. "

Publication: Statesman Edition: Kolkata, Delhi, Bbhubaneshwar and Siliguri

Date: July 1st 2021

Wadhwani plea: On the eve of International MSME Day, the global not-for-profit Wadhwani Foundation has called for empowering MSMEs with capabilities to accelerate their growth. The International MSME Day 2021 is a time to introspect and reflect upon the hardships bestowed upon the MSME sector, it said. SNS

Publication: Deshbandhu Edition: Delhi Date: June 27th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

डिजिटल नवाचार के साथ पंजीकरण में वृद्धि भारतीय एमएसएमई के लचीलेपन को दर्शाती है

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस की पूर्व संध्या पर वैश्विक गैर-लाभकारी वाधवानी फाउंडेशन ने कोविड-19 महामारी के कारण संघर्षरत एमएसएमई क्षेत्र को अपने विकास में तेजी लाने के लिए एमएसएमई को सशक्त बनाने का आह्वान किया है। फाउंडेशन ने पिछले एक साल में 550 एसएमई और उनके 5,000 कर्मचारियों को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

देश के आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में एमएसएमई की भूमिका अहम है और इस अति संभावित क्षेत्र को फिर से दुरुस्त तभी बनाया जा सकता है, जब इसे रणनीतिक रूप से और अधिक गहराई व तेजी के साथ समर्थन मिलेगा। इसलिए सेक्टर को दोबारा मजबूत बनाने के लिए इसमें अधिक निवेश

■ संघर्षरत एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाने का आह्वान किया

करने, कामगारों की मजदूरी बढ़ाने, लेनदारों के दबाव को कम करने और सबसे जरूरी अधिक महत्वपूर्ण चुनौतियों का पता लगाने की जरूरत है, जिसमें इसका विकास निहित हो। इन्हीं सबसे इसकी वास्तविक क्षमता को उजागर किया जा सकेगा। इन कठिन और चुनौतीपूर्ण समय में और अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2021 की पूर्व संध्या पर वाधवानी एडवांटेज के कार्यकारी उपाध्यक्ष समीर साठे ने कहा, 'जैसा कि महामारी ने दुनिया सहित विशेष रूप से विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को खासा परेशान किया है, इस तथ्य की नए सिरे से पहचान की जा रही है कि एमएसएमई पर ध्यान देने, इसकी देखभाल करने, पोषण करने और इसकी कायाकल्प करने की आवश्यकता है, जिसमें विफल होने पर कुछ ही समय के भीतर दुनिया में व्यापार, वाणिज्य, अर्थशास्त्र और आजीविका की सुनियोजित व्यवस्था मुरझा जाएगी।'

उन्होंने आगे कहा, 'एमएसएमई पंजीकरण में हालिया उछाल और उनके व्यवसायों में डिजिटल नवाचार को शामिल करना महामारी के बावजूद एमएसएमई के लचीलेपन का एक उत्साहजनक संकेतक है। वाधवानी एडवांटेज अपने व्यापार की बुनियादी बातों को तेज और मजबूत करने, मध्यम अवधि में अपने व्यवसाय को स्थिर करने और लंबी अवधि में तेजी से विकास को सुविधाजनक बनाने पर केंद्रित है।

Publication: Arthik Lipi Edition: Kolkata Date: June 27th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

আন্তর্জাতিক এমএসএমই দিবসে ওয়াধওয়ানি ফাউন্ডেশনের কর্মসূচি

কলকাতা, ২৬ জুন: আন্তর্জাতিক এমএসএমই দিবসের প্রাক্কালে বিশ্বব্যাপী অলাভজনক ওয়াধওয়ানি ফাউন্ডেশন কোভিড মহামারীর কারণে সংগ্রামরত এমএসএমই সেক্টরে লড়াই বৃদ্ধির ক্ষেত্রে এমএসএমই খাতে তাদের বিকাশের গতি বাড়ানোর জন্য ক্ষমতায়নের আহ্বান জানিয়েছে। আন্তর্জাতিক এমএসএমই দিবস ২০২১ এমএসএমই সেক্টরকে প্রদত্ত কষ্টগুলির প্রতিচ্ছবি এবং প্রতিবিম্বিত করার সময়। যাইহোক, এমএসএমইগুলি দেশের অর্থনৈতিক ও সামাজিক কাঠামোর একটি গুরুত্বপূর্ণ অঙ্গ, এবং এই উচ্চ-উত্সাহী খাতকে একটি উচ্চ-তীব্রতা এবং কৌশলগতভাবে কাঠামোগত সহায়তায় কেবল সম্পূর্ণ পুনরুদ্ধার সম্ভব হবে। সুতরাং নগদ প্রবাহ, মজুরি, চাপ দেওয়া ঋণ দাতাদের তাত্ক্ষণিক চ্যালেঞ্জগুলি মোকাবিলার মাধ্যমে এই খাতকে স্থিতিশীল করা অপরিহার্য, এর প্রকৃত সম্ভাব্যতা উপলব্ধি করার ক্ষেত্রে সম্ভবত বৃদ্ধি কোথায় রয়েছে তা খুঁজে বের করার আরও গুরুত্বপূর্ণ চ্যালেঞ্জগুলি।এই কঠিন এবং চ্যালেঞ্জিং সময়ে এবং আন্তর্জাতিক এমএসএমই দিবস ২০২১ এর প্রাক্কালে, ওয়াদওয়ানি অ্যাডভান্টেজের নির্বাহী ভাইস প্রেসিডেন্ট সামির সাথে বলেছেন, ''মহামারীটি বিশ্বকে, বিশেষত উন্নয়নশীল অর্থনীতিগুলিকে ক্রমাগত সমস্যায় ফেলতে থাকায়, তাদের নতুন প্রশংসা হচ্ছে এমএসএমইগুলির মনোযোগ, যত্ন, লালন ও পুনরুজ্জীবনের প্রয়োজন, ব্যর্থতা, ব্যবসায়, বাণিজ্য, অর্থনীতি ও জীবিকার বিশ্বব্যবস্থা কোনওভাবেই ভেঙে পড়ে যাবে এবং ম্লান হবে না।সমীর সাথে আরও যোগ করেছেন, ''এমএসএমই রেজিস্ট্রেশনে সাম্প্রতিক উত্সাহ এবং তাদের ব্যবসায় ডিজিটাল উদ্ভাবনের সংমিশ্রণ মহামারী সত্ত্বেও এমএসএমইগুলির স্থিতিস্থাপকতার উত্সাহজনক সূচক। ওয়াদওয়ানি অ্যাডভান্টেজ তাদের ব্যবসায়িক মৌলিক বিষয়গুলিকে ত্বরান্বিত ও শক্তিশালীকরণ, মধ্য-মেয়াদে তাদের ব্যবসায়িক স্থিতিশীলকরণ এবং দীর্ঘমেয়াদে দ্রুত বৃদ্ধির সুবিধার্থে মনোনিবেশ করে। আমরা সহায়তার সাথে ব্যবসায়ের তাদের বৃদ্ধির সম্ভাবনা সর্বাধিকতর করার ক্ষমতা রাখি । স্বয়ংক্রিয় ব্যবসায়ের আবিষ্কার এবং রূপান্তর সরঞ্জাম। আমরা চাই উদ্যোক্তাদের নিজস্ব উপদেষ্টা হওয়ার প্রশিক্ষণ দেওয়া হোক। এমএসএমই খাতটি দেশের অর্থনীতির প্রবৃদ্ধি ইঞ্জিন হিসাবে ব্যাপকভাবে স্বীকৃত, জিডিপি এবং কর্মসংস্থান উভয় ক্ষেত্রেই ৩০ শতাংশ অর্থনীতির অবদান রাখে। কোভিড মহামারীটি দেশের পুরো এমএসএমই খাতে মারাত্মক অপ্রীতিকর প্রভাব ফেলেছিল। প্রদত্ত পরিস্থিতির অধীনে, তাদের সমর্থন করার জন্য পুনরুজ্জীবনের ব্যবস্থা নেওয়া উচিত।

Publication: Sambad Prabha Edition: Kolkata Date: June 27th 2021

Headline: Wadhwani Foundation calls for EMPOWERING MSMEs, on International MSME Day 2021

এমএসএমই-দের প্রতি ওয়াধওয়ানি ফাউন্ডেশনের বার্তা

নিজস্ব সংবাদদাতা : আন্তর্জাতিক এমএসএমই দিবসের প্রাক্কালে গ্লোবাল অলাভজনক সংস্থা, ওয়াধওয়ানি ফাউন্ডেশন কোভিড অতিমারির কারণে সমস্যায় জর্জরিত ক্ষুদ্র, মাঝারি ও অতিক্ষুদ্র উদ্যোগীদের বৃদ্ধিতে গতি বাড়ানোর জন্য তাদের প্রতি আহ্বান জানিয়েছে। এবিষয়ে ওয়াধওয়ানি অ্যাডভান্টেজ-এর এক্সিকিউটিভ ভাইস প্রেসিডেন্ট সমীর শাঠে বলেন, অতিমারি পরিস্থিতি গোটা বিশ্ব, বিশেষ করে উন্নয়নশীল অর্তনীতিকে ক্রমাগত সমস্যায় ফেলায় এমএসএমইগুলি যাতে এই পরিস্থিতিতে একেবারেই ভেঙে না পড়ে, তার জন্য তাদের প্রতি বিশেষ নজর দেওয়া প্রয়োজন। তাঁর মতে, এমএসএমইগুলি দেশের অর্থনীতির একটি স্তম্ভ। তাই নগদের প্রবাহ, মজুরি, ঋণদান সংস্থাগুলির ঋণ শোধের জন্য চাপ না দেওয়া ইত্যাদি বিষয়গুলিতে বেশি করে নজর দিতে হবে। উদ্যোগীদের নিজস্ব ব্যবসায় নিজস্ব উপদেষ্টা হবার প্রশিক্ষণ দেবার দাবি জানান তিনি।

Publication: The Echo Of India Edition: Kolkata Date: June 27th 2021

Wadhwani Foundation calls for empowering MSMEs

EOI CORRESPONDENT

KOLKATA, JUNE 26/--/On the eve of International MSME Day, the global not-for-profit Wadhwani Foundation has called for empowering MSMEs with capabilities to accelerate their growth, to the struggling MSME sector due to the COVID pandemic.

The International MSME Day 2021 is a time to introspect and reflect upon the hardships bestowed upon the MSME Sector.

However, MSMEs are a crucial part of the economic and social fabric of the country, and complete recovery will only be possible with a high-intensity and strategically structured support to this high-spirited sector. Therefore, it is essential to stabilize the sector by meeting the immediate challenges of cash flows, wages, pressing creditors and perhaps more important challenges of finding where growth lies, in realising its true potential.

In these difficult and challenging times and on the eve of International MSME Day 2021, Samir Sathe, Executive Vice President, Wadhwani Advantage, says, "As the pandemic continues to trouble the world, especially the developing economies, there is a renewed appreciation of the fact that MSMEs need attention, care, nurturing and rejuvenation, failing which, the world order of business, commerce, economics and livelihoods will crumble and wither, in no time."

Mr Sathe further adds, "The recent surge in MSME registration and incorporation of digital innovation into their businesses is an encouraging indicator of the resilience of MSMEs despite the pandemic. Wadhwani Advantage focuses on accelerating and strengthening their business fundamentals, stabilizing their business in the medium-term and facilitating rapid growth in the long term. We empower businesses with capabilities to maximize their growth potential with the help of automated Business Discovery and Transformation Tools. We want entrepreneurs to be trained in becoming their own advisors."

MSME sector is widely acknowledged as the growth engine of the country's economy, contributing over 30% of the economy both in GDP and employment generation. The COVID pandemic had a severe untoward impact on the entire MSME sector in the country. Under the given situation, it is necessary that there should be revival measures to support them.